BGGET-141

सत्रीय कार्य पुस्तिका

विज्ञान में स्नातक उपाधि कार्यक्रम (बी.एस.सी.जी.)

में

वैकल्पिक पाठ्यक्रम

भारत का भूगोल

1 जनवरी, 2025 से 31 दिसम्बर, 2025 तक वैध

विज्ञान विज्ञापीठ
इंदिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी
नई दिल्ली–110068
(2025)

प्रिय विद्यार्थी,

सत्रीय कार्य को हल करने की शुरुआत करने से पहले, आपको वैकल्पिक पाठ्यक्रम के लिए कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए सत्रीय कार्य अनुभाग को पढ़ना होगा, जो हमने आपके नामांकन के बाद आपको भेजे हैं। सत्रीय कार्य घटक के लिए, निरंतर मूल्यांकन के एक भाग के रूप में 30 प्रतिशत का भार निर्धारित किया गया है। इसमें इस पाठ्यक्रम के लिए एक अनुशिक्षक–चिह्नित कार्य शामिल है। हम इस पुस्तिका में तीन भागों–भाग ए, भाग बी और भाग सी को मिलाकर कार्य प्रदान कर रहे हैं। तीनों भागों के लिए कुल अंक 100 हैं। 100 अंकों में से, आपको सत्रीय कार्य घटक को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए कम से कम 35 % अंकों या 35 अंक प्राप्त करने की आवश्यकता है।

सत्रीय कार्य के संरूपण से संबंधित निर्देश

सत्रीय कार्य को हल करने से पहले, कृपया नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यान से पढ़ें।

1) अपनी उत्तर पुस्तिका में पहले पृष्ठ के शीर्ष भाग पर, नीचे दिए गए प्रारूप में अपना विवरण ठीक से लिखें।

नामांकन संख्या : .....
नाम : .....
पता : .....
.....

पाठ्यक्रम कोड : .....
पाठ्यक्रम शीर्षक : .....
सत्रीय कार्य कोड : .....
अध्ययन केंद्र : ..... दिनांक : .....

(नोटः देरी से बचने के लिए समय पर मूल्यांकन प्रक्रिया को सुविधाजनक बनाने हेतू इस निर्दिष्ट प्रारूप का पालन करना अनिवार्य है)।

2) अपने उत्तर लिखने के लिए केवल फुलस्केप आकार के लेखन कागज का उपयोग करें (यह बहुत पतली किस्म और खराब गुणवत्ता का नहीं होना चाहिए)।
3) अपनी उत्तर पुस्तिका के बाएं, ऊपर और नीचे 4 सेंटीमीटर का अंतर छोड़ें।
4) आपके उत्तर सटीक होना चाहिए।
5) इस सत्रीय कार्य के भाग ए, भाग बी और भाग सी में दिए गए प्रत्येक प्रश्न को अलग–अलग पूरा करें और इन सभी को एक साथ जमा करें।
6) निर्धारित उत्तर तिथि के भीतर सत्रीय कार्य उत्तर पुस्तिकाएं आपको अध्ययन केंद्र में जमा करवानी हैं। निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त उत्तर पुस्तिकाओं को स्वीकार नहीं किया जाएगा। यह सुझाव दिया जाता है कि आपको सभी जमा किए गए सत्रीय कार्य की अपनी उत्तर पुस्तिकाओं की एक प्रतिकृति कॉपी रखनी चाहिए।
7) यह सत्रीय कार्य 1 जनवरी, 2025 से 31 दिसम्बर, 2025 तक वैध तक मान्य है। यदि आप इस सत्रीय कार्य में असफल रहते हैं या इसे 31 दिसम्बर, 2025 तक जमा करने में असफल रहते हैं, तो आपको अगले साल 2026 के लिए नया सत्रीय कार्य अनिवार्य रूप से प्राप्त करना होगा, और इसे कार्यक्रम दर्शिका में दिए गए निर्देशों के अनुसार जमा करना होगा।
8) आप सत्रीय कार्य को जमा किए बिना इस पाठ्यक्रम के लिए सत्रांत/अंतिम परीक्षा में उपस्थित होने के लिए परीक्षा फॉर्म नहीं भर सकते। किसी भी अन्य प्रश्नों के लिए, कृपया पाठ्यक्रम समन्वयक से दिए गए ईमेल पर संपर्क करें: vishalwarpa@ignou.ac.in / knrao@ignou.ac.in।

हम आपको आपके स्नातक कार्यक्रम के इस भाग के सफल समापन के लिए शुभकामनाएं देते हैं।

सत्रीय कार्य
(अध्यापक जांच सत्रीय कार्य)
भारत का भूगोल

पाठ्यक्रम कोडः BGGET-141
सत्रीय कार्य कोडः BGGET -141/TMA/2025
अधिकतम अंकः 100

भाग–ए

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं और प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं।

1. भारत की ऐतिहासिक स्थिति पर विस्तृत विवरण लिखिए।
2. जल संसाधन क्या है? जल संसाधनों के प्रकारों पर चर्चा कीजिए।
3. विभिन्न कालखंडों के दौरान हुए भारत के औद्योगिक विकास के बारे में विस्तार से व्याख्या कीजिए।
4. डेविड सोफ़र द्वारा तैयार की गई भारत के सामाजिक–सांस्कृतिक प्रादेशीकरण की योजना पर संक्षिप्त विवरण लिखिए।

भाग–बी

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं और प्रत्येक प्रश्न 10 अंक के हैं।

5. 1937 में सी.सी. काल्डर द्वारा पहचाने गए भारत के वनस्पति क्षेत्रों पर विस्तार से चर्चा कीजिए।
6. लौह खनिज क्या हैं? भारत में लौह अयस्क और क्रोमाइट खनिज संसाधनों के वितरण और उपयोग का संक्षेप में वर्णन कीजिए।
7. भारत में ग्रामीण बस्तियों के सबसे सामान्य प्रतिरूप पर विस्तृत विवरण लिखिए।

भाग–सी

8. निम्नलिखित पर संक्षिप्त टिप्पणी / नोट्स लिखें। प्रत्येक प्रश्न 5 अंक के हैं।

a) शीतकाल का मौसम
b) भूमि–मानव अनुपात
c) वन संरक्षण अधिनियम, 1980
d) भारत में परिवहन जाल या नेटवर्क के विकास को प्रभावित करने वाले कारक
e) जनसंख्या पिरैमिड के प्रकार
f) बंगाल की खाड़ी और अरब सागर में द्वीप समूह